DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

25 July, 2024

भारत में जीएम फसलें

संदर्भ: *हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय की दो न्यायाधीशों वाली पीठ ने आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) सरसों के "पर्यावरणीय मंजूरी" पर फैसला सुनाया है।*

➢ **जीएम सरसों का विकास**

- 15 सितम्बर, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय के CGMCP ने जीएम सरसों DMH-11 के लिए GEAC से अनुमोदन मांगा था।
- जी.एम. सरसों में दो जीन होते हैं, पहला 'बार्नेस' जो नर बांझपन के लिए है, तथा दूसरा 'बार्स्टार' जो प्रजनन क्षमता में मदद करता है। इसका उद्देश्य अधिक पैदावार प्राप्त करना है।
- GEAC ने 11 मई, 2017 को पर्यावरणीय मंजूरी की सिफारिश की, लेकिन मार्च 2018 में इस सिफारिश की पुनः जांच की गई।
- इसका प्रयोग मधुमक्खियों और मृदा विविधता पर प्रभाव के परीक्षण (2020-21) होने तक स्थगित कर दिया गया।
- मई 2022 में सीजीएमसीपी ने मंजूरी का आग्रह किया। 25 अक्टूबर 2022 को केंद्र ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया।

➢ **आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलें -**

- **परिभाषा** : जीएम फसलें या जेनेटिकली इंजीनियर्ड (जीई) फसलों को जेनेटिक रूप परिवर्तित किया जाता है ताकि वे प्राकृतिक रूप से नहीं पाए जाने वाले विशिष्ट गुण प्राप्त कर सकें। इस संशोधनों का उद्देश्य कीट प्रतिरोध, खतपतवारनाशी प्रतिरोध क्षमता, पोषण पदार्थ में वृद्धि या फसल की आयुकाल में सुधार करना होता है।
- **आनुवंशिक संशोधन तकनीक:** इसमें पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी और जीन संपादन (जैसे, CRISPR-Cas9) जैसी विधियों का उपयोग करके जीन का सम्मिलन, विलोपन या संशोधन शामिल है।

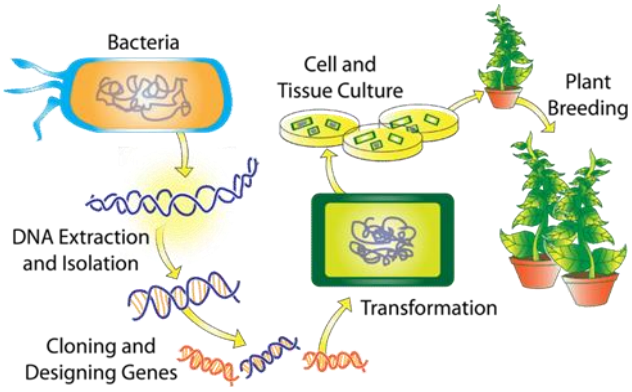

➢ **लक्षणों के प्रकार:**

- **कीट प्रतिरोध:** बीटी कपास जैसी जीएम फसलें कुछ कीटों के लिए विषाक्त प्रोटीन उत्पन्न करती हैं।
- **खतपतवारनाशी प्रतिरोध क्षमता:** जीएम फसलें विशिष्ट खतपतवारनाशी हो सकती हैं, जिससे खरपतवार नियंत्रण में सुधार होता है।
- **रोग प्रतिरोधक क्षमता:** इस संशोधन से पौधों के रोगों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता प्रदान की जा सकती है।
- **बेहतर पोषण सामग्री:** इसके उदाहरणों में "गोल्डन राइस" शामिल है, जिसमें बीटा-कैरोटीन का स्तर अधिक होता है।

➢ **फ़ायदे :**

- **फसल की पैदावार में वृद्धि:** इससे कीट प्रतिरोध और उपज में वृद्धि होती है।
- **कीटनाशकों के प्रयोग में कमी:** इससे पर्यावरणीय प्रभाव कम होगा तथा स्वास्थ्य लाभ होगा।
- **संवर्धित पोषण:** यह पोषक तत्वों की कमी को दूर करता है।
- **आयु में वृद्धि:** इससे लंबे समय तक उत्पाद किया जा सकता है।

➢ **समस्या :**

- **स्वास्थ्य और सुरक्षा:** पारंपरिक भोजन की तुलना में संभावित जोखिम ज्यादा है।
- **पर्यावरणीय प्रभाव: इसमें** पारिस्थितिक प्रभावों के बारे में चिंताएँ ज्यादा है।
- **व्यवसाय और बौद्धिक संपदा:** कॉर्पोरेट नियंत्रण और आईपी कानूनों से संबंधित मुद्दे जुड़े हुए है।
- **बायोटेक कंपनियाँ:** प्रमुख कंपनी में मोनसेंटो इंडिया, माहिको और BASF शामिल हैं। ABLE-AG भारत में GM तकनीक को आगे बढ़ाने की वकालत करता है।

➢ **जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (जीईएसी):**

- **कार्य** :यह खतरनाक सूक्ष्मजीवों और जीएम जीवों के उपयोग को विनियमित करने के लिए पर्यावरण और वन मंत्रालय के अंतर्गत वैधानिक निकाय है।

➢ **कार्य :**

- जीएम जीवों के बड़े पैमाने पर उपयोग और परीक्षणों की मंजूरी प्रदान करना।
- जैव प्रौद्योगिकी फसलों के वाणिज्यिक अनुमोदन को मंजूरी प्रदान करना।
- GM संघटनों से जुड़े फार्मा उत्पादों का निगरानी करना।

➢ **संचालन:**

- इसकी बैठकों के लिए एक तिहाई सदस्यों की आवश्यकता होती है।
- इसके सदस्यों को स्वतंत्रता और गोपनीयता की घोषणा पर हस्ताक्षर करना होता है।
- समिति तीन वर्षों तक कार्य करती है, जिसमें विशेष आमंत्रित सदस्यों की भी नियुक्ति की संभावना रहती है।

➢ **भारत में आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें -**

- **बीटी कॉटन: यह** भारत में वर्तमान में व्यावसायिक रूप से उगाई जाने वाली एकमात्र जीएम फसल है, जिसे 2002 में प्रस्तुत किया गया था।
- **बीटी बैंगन:** इसे 2007 में जीईएसी द्वारा अनुशंसित किया गया लेकिन 2010 में इसपर रोक लगा दी गई।
- **जीएम सरसों:** दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विकसित धारा सरसों हाइब्रिड-11 (डीएमएच-11) में "बार्नेज/बार्नस्टार" तकनीक का उपयोग किया गया है। यदि इसे मंजूरी मिल जाती है, तो यह भारत में दूसरी जीएम फसल और पहली ट्रांसजेनिक खाद्य फसल होगी।

लिंगायत

संदर्भ *: तीन वर्षों से अधिक समय से कर्नाटक के लिंगायत समुदाय की उपजाति पंचमसाली लिंगायत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की श्रेणी 2A में शामिल किए जाने की मांग कर रही है।*

➢ **लिंगायत कौन हैं?**

- लिंगायत एक हिंदू संप्रदाय है, जिसे वीरशैव लिंगायत के नाम से भी जाना जाता है।
- वे 12वीं शताब्दी के दार्शनिक संत बसवन्ना का अनुसरण करते हैं, जिन्होंने जाति व्यवस्था और वैदिक अनुष्ठानों का विरोध किया था।
- वे कर्नाटक की आबादी का लगभग 17% हिस्सा हैं।
- लिंगायत धर्म भक्ति आंदोलन से उभरा जो 8वीं शताब्दी से दक्षिण भारत में फैल गया।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- इस परंपरा की स्थापना 12वीं शताब्दी में कर्नाटक में बसवन्ना द्वारा की गई थी और बाद में यह दक्षिण भारत के अन्य हिस्सों में फैल गई।

➢ **लिंगायत धर्म की विशेषताएँ**

- एकेश्वरवादी: एक ईश्वर, लिंग (शिव) की पूजा करना।
- सामाजिक भेदभाव और जाति व्यवस्था को अस्वीकार करना।
- भक्ति का प्रतीक, एक छोटे शिव लिंग वाला इष्टलिंग पहनना ।
- दाह संस्कार के स्थान पर बैठकर ध्यान की स्थिति में दफ़नाने की प्रथा का पालन करना।

➢ **"लिंगायत" नाम की उत्पत्ति**

- "लिंगायत" का अर्थ है "वह जो लिंग धारण करता है", जो लिंग रूप में शिव की उनकी पूजा को दर्शाता है।
- यह संप्रदाय विजयनगर साम्राज्य (14वीं-18वीं शताब्दी) के दौरान उभरा और पूरे दक्षिण भारत में फैल गया।
- यह उत्तरी कर्नाटक में फला-फूला और जो विजयनगर साम्राज्य द्वारा समर्थित था।

➢ **संत और ऐतिहासिक हस्तियाँ**

- **बसवन्ना:** यह इसके प्रमुख संस्थापक थे, जो कलचुरि राजा बिज्जला द्वितीय के दरबार में कार्यरत थे। कल्याणी चालुक्यों ने अपनी राजधानी का नाम उनके सम्मान में बसवकल्याण रखा गया।
- **अल्लामा प्रभु, चन्नाबसवन्ना और अक्का महादेवी:** प्रमुख संत; अक्का महादेवी 12वीं सदी की प्रसिद्ध महिला कवयित्री थीं।
- **रानी चेन्नम्मा:** लिंगायत रानी, जो अंग्रेजों के खिलाफ उपनिवेशवाद विरोधी संघर्ष के लिए जानी जाती हैं।

➢ **शाही संरक्षण**

- इसे विशेष रूप से विजयनगर साम्राज्य में देवराय द्वितीय के शासनकाल के दौरान दक्कन राज्यों से समर्थन प्राप्त हुआ था।
- कर्नाटक के शाही राजवंश, जिनमें चालुक्य और विजयनगर शासक शामिल थे, लिंगायत धर्म के अनुयायी बन गए।
- कित्तूर की लिंगायत रानी चेनम्मा ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का विरोध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

➢ **वचन साहित्य**

- वचन एक पंक्ति के दार्शनिक कथन हैं जो रहस्यवादियों के आध्यात्मिक अनुभवों पर आधारित विचारों को व्यक्त करते हैं।
- यह साहित्य लेखकों के बीच सामान्य विषयों और महत्वपूर्ण व्यक्तित्व दोनों को प्रदर्शित करता है।
- वचन साहित्य 15वीं शताब्दी के बाद विशेष रूप से विकसित हुआ।
- आज तक, 30 से अधिक महिलाओं सहित सौ से अधिक आध्यात्मिक साधकों और संतों द्वारा लिखे गए लगभग 12,000 वचन खोजे जा चुके हैं।
- वचन कन्नड़ में लिखे गए थे और आम लोगों को ध्यान में रखकर लिखे गए थे।
- लेखक, जिन्हें 'शरण' के नाम से जाना जाता है, विभिन्न सामाजिक वर्गों और व्यवसायों से आते थे, जिनमें बहिष्कृत या "अछूत" भी शामिल थे।

➢ **लिंगायत आरक्षण की मांग**

- वीरशैव लिंगायतों को वर्तमान में श्रेणी 3B के अंतर्गत 5% आरक्षण प्राप्त है।
- पंचमसाली लिंगायत, जो मुख्य रूप से कृषकों से बना एक उप-संप्रदाय है, श्रेणी 2A में शामिल होना चाहता है, जो पिछड़ी जातियों को 15% आरक्षण प्रदान करता है।
- कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कर्नाटक पिछड़ा वर्ग आयोग को श्रेणी 2A में संभावित समावेशन के लिए पंचमसाली समुदाय की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्थिति का अध्ययन करने का निर्देश दिया है।

भारत-कोलंबिया संबंध

संदर्भ: *भारत-कोलंबिया राजनयिक संबंधों को 65 वर्ष पूरे हो गए।*

➢ **द्विपक्षीय सहयोग:**

- यह संबंध संस्कृति, शिक्षा, दक्षिण-दक्षिण सहयोग, निवेश और व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों में फैले हुए हैं, तथा इनके बीच द्विपक्षीय व्यापार 4.5 बिलियन डॉलर से अधिक है।
- अप्रैल 2023 में भारत के विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने कोलंबिया यात्रा की और फरवरी 2024 में कोलंबिया के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री मौरिसियो लिज़कानो ने भारत की यात्रा की है।

➢ **वैश्विक चुनौतियाँ:**

- दोनों राष्ट्र जलवायु परिवर्तन और कार्बन फुटप्रिंट जैसे वैश्विक मुद्दों का समाधान करना चाहते हैं, तथा अपने लक्ष्यों को 2030 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के पेरिस समझौते के साथ संरेखित करना चाहते हैं।
- कोलंबिया और भारत, विश्व के 17 सर्वाधिक विविधता वाले देशों में से एक होने के कारण, जैवविविधता के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

➢ **सांस्कृतिक आदान-प्रदान:**

- त्योहारों, साहित्य, संगीत और नृत्य के माध्यम से दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंध मजबूत होते हैं।
- योग, शास्त्रीय संगीत और त्यौहारों सहित भारतीय परंपराओं ने कोलंबिया में लोकप्रियता हासिल की है, जबकि कोलंबियाई सांस्कृतिक तत्वों को भारत में भी लोकप्रियता मिली हैं।

➢ **आर्थिक सहयोग:**

- वर्ष 2022-2023 में द्विपक्षीय व्यापार 50% से अधिक बढ़कर 4.31 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। कोलंबिया को भारत से निर्यात में फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल और रसायन शामिल हैं, जबकि कोलंबिया भारत को खनिज ईंधन, सोना और बहुमूल्य पत्थर निर्यात करता है।
- कोलंबिया में भारत का निवेश 300 मिलियन डॉलर है, जबकि भारत में कोलंबिया का निवेश 5 मिलियन डॉलर होने का अनुमान है।

➢ **ऐतिहासिक संबंध:**

- 19 जनवरी, 1959 को औपचारिक रूप से स्थापित राजनयिक संबंधों को उच्च स्तरीय यात्राओं और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से पोषित किया गया है।
- दोनों देशों के दूतावासों ने संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

➢ **भविष्य की संभावनाओं:**

- दोनों देश अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा सहयोग के नए अवसर तलाशने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
- भविष्य में साझा मूल्यों और पारस्परिक विकास पर केन्द्रित अधिक गतिशील और फलदायी संबंध की संभावनाएं नजर आ रही हैं।

➢ **आगामी कार्यक्रम:**

- कोलंबिया 21 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2024 तक "प्रकृति के साथ शांति" विषय पर जैविक विविधता पर कन्वेंशन के पक्षों के 16वें सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

25 July, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

संगमेश्वर मंदिर

हाल ही में, लगातार बारिश के कारण कृष्णा नदी में बढ़ते जल स्तर ने आंध्र प्रदेश के नंदयाल जिले में संगमेश्वर मंदिर को आंशिक रूप से जलमग्न कर दिया है।

संगमेश्वर मंदिर के बारे में:

- संगमेश्वर मंदिर, जिसे पहले विजयेश्वर मंदिर के नाम से जाना जाता था, का निर्माण लगभग 733 ईस्वी में चालुक्य राजा विजयादित्य सत्यश्रया द्वारा किया गया था।
- इसे भारत के सबसे पुराने मंदिरों में से एक और पट्टदकल क्षेत्र का सबसे पुराना मंदिर माना जाता है।
- यह मंदिर एक पूर्वमुखी द्रविड़ संरचना है और आकार में वर्गाकार है।
- इसमें एक अंदरूनी गर्भगृह है जिसमें एक शिवलिंग है, जो तीन नक्काशीदार खिड़कियों से प्रकाशित एक आवरणित प्रदक्षिणा पथ (परिक्रमा मार्ग) से घिरा हुआ है।
- मंदिर को एक ऊंचे ढाले हुए आधार पर बनाया गया है, जो पौराणिक हाथियों, याली और मकरों की मूर्तियों से सजाया गया है, और इसमें परापेट पर गनों (चंचल बौने) की विस्तृत नक्काशी है।
- संगमेश्वर मंदिर की नक्काशी शैव धर्म, वैष्णव धर्म और शाक्त धर्म की विभिन्न विषयों को दर्शाती है।
- 1969 और 1971 में की गई खुदाई से खंडहरों के नीचे एक ईंट का मंदिर संरचना मिली, जो सुझाव देती है कि संगमेश्वर एक पुराने मंदिर के ऊपर बनाया गया था, संभवतः तीसरी सदी सीई से।

INS ब्रह्मपुत्र

हाल ही में, INS ब्रह्मपुत्र पर आग लगने की घटना के बाद गायब हुए लीडिंग सीमैन का शव मिला।

INS ब्रह्मपुत्र के बारे में:

- INS ब्रह्मपुत्र भारत के स्वदेशी निर्मित ब्रह्मपुत्र-श्रेणी के निर्देशित मिसाइल फ्रिगेट्स में पहला है।
- इसे 14 अप्रैल 2000 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।
- इस जहाज का निर्माण कोलकाता में सरकारी कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड ने किया था।
- INS ब्रह्मपुत्र 125 मीटर लंबा और 14.5 मीटर चौड़ा है।
- यह जहाज संयुक्त डीजल या गैस (CODOG) कॉन्फ़िगरेशन में दो डीजल इंजनों और दो गैस टर्बाइनों द्वारा संचालित है, जिससे यह 30 समुद्री मील की गति प्राप्त कर सकता है।
- फ्रिगेट विभिन्न प्रकार के हथियारों से सुसज्जित है, जिनमें सतह-से-सतह मिसाइलें (SSM), सतह-से-हवा मिसाइलें (SAM), पनडुब्बी रोधी युद्ध (ASW) टॉरपीडो और विमान-विरोधी बंदूकें शामिल हैं।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT)

आर्यभट्ट हाल ही में, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने केंद्र और दिल्ली नगर निगम को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) के पास कचरा फेंकने के आरोपों पर नोटिस जारी किया।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण के बारे में:

- राष्ट्रीय हरित अधिकरण भारत में एक वैधानिक निकाय है जो पर्यावरण मामलों से निपटने के लिए 2010 में स्थापित किया गया था।
- राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम 2010 पर्यावरण संरक्षण और वनों के संरक्षण से संबंधित मामलों का शीघ्र निपटान करने के लिए एक विशेष अधिकरण के गठन की अनुमति देता है।
- यह एक विशेष न्यायिक निकाय है जो बहु-विषयक मुद्दों के साथ पर्यावरणीय विवादों से निपट सकता है।
- अधिकरण में एक अध्यक्ष, न्यायिक सदस्य और विशेषज्ञ सदस्य होते हैं, जो 5 वर्षों के लिए सेवा करते हैं और पुनः नियुक्त नहीं हो सकते हैं।
- अध्यक्ष को भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) से परामर्श करके केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है।

मौलिक अधिकार

हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में रेलवे भूमि पर रहने वाले लगभग 50,000 लोगों के लिए आश्रय के अधिकार के साथ रेलवे विकास को संतुलित करने का आह्वान किया, जो उनके मौलिक मानव अधिकारों को संरक्षित करता है।

मौलिक अधिकारों के बारे में:

- मौलिक अधिकार भारतीय संविधान के भाग III में निहित हैं, विशेष रूप से अनुच्छेद 12 से 35 में।
- इस खंड को अक्सर भारत का महान चार्टर (Magna Carta) कहा जाता है, जो 1215 के महान चार्टर से प्रेरित है।
- भारतीय संविधान द्वारा प्रदान किए गए मौलिक अधिकारों की श्रेणियों में शामिल हैं: समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18), स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22), शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24), धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28), सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार (अनुच्छेद 29-30) और संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)।
- मूल रूप से, संपत्ति का अधिकार मौलिक अधिकारों के तहत अनुच्छेद 31 के रूप में शामिल था। हालांकि, इसे 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 द्वारा मौलिक अधिकारों की सूची से हटा दिया गया और अब यह संविधान के भाग XII में अनुच्छेद 300-A के तहत एक कानूनी अधिकार है।
- राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकार निलंबित किए जा सकते हैं, सिवाय उन अधिकारों के जो अनुच्छेद 20 और 21 द्वारा गारंटीकृत हैं, जबकि अनुच्छेद 19 के तहत छः अधिकार केवल बाहरी आपातकाल के दौरान निलंबित किए जा सकते हैं।
- अनुच्छेद 33 संसद को सशस्त्र बलों, पुलिस, खुफिया एजेंसियों और इसी तरह की सेवाओं के सदस्यों के लिए मौलिक अधिकारों को प्रतिबंधित या समाप्त करने की अनुमति देता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

25 July, 2024

सुर्खियों में व्यक्तित्व
क्रिस्टोफर थॉमस कुरियन

क्रिस्टोफर थॉमस कुरियन (2 जुलाई 1931 - 23 जुलाई 2024)

क्रिस्टोफर थॉमस कुरियन एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री और मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज के पूर्व प्रोफेसर थे।

योगदान:

- सी.टी. कुरियन ने 2000 में भारतीय आर्थिक संघ के अध्यक्ष के रूप में सेवा की।
- उन्होंने 15 पुस्तकों का लेखन किया, जिनका फोकस अर्थशास्त्र के विभिन्न पहलुओं, विशेष रूप से गरीबी उन्मूलन पर था।
- वे मुख्यधारा की अर्थशास्त्र के गरीबी को प्रभावी ढंग से संबोधित न करने के लिए आलोचना करते थे और गरीबी को कम करने के लिए आर्थिक नीतियों का समर्थन करते थे।
- उनका डॉक्टरेट शोध "विकासशील देश की कारक बाजार संरचना और प्रौद्योगिकी संबंधी विशेषताएं: एक भारतीय केस स्टडी" शीर्षक से था।

सुर्खियों में स्थल
फिलीपींस

हाल ही में, निरंतर बारिश और टाइफून गामी के कारण मनीला में बाढ़ और उत्तरी फिलीपींस में घातक भूस्खलन हुए हैं।

फिलीपींस (राजधानी: मनीला)

स्थिति: फिलीपींस एक द्वीपसमूह है जो दक्षिण-पूर्व एशिया में स्थित है, और पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित है।

सीमाएँ:

- फिलीपींस की सीमाएँ फिलीपीन सागर (पूर्व), दक्षिण चीन सागर (पश्चिम) और सेलेब्स सागर (दक्षिण) से मिलती हैं।
- यह पालाऊ (पूर्व और दक्षिण-पूर्व), वियतनाम (पश्चिम), ताइवान (उत्तर), इंडोनेशिया (दक्षिण), जापान (उत्तर-पूर्व), चीन (उत्तर-पश्चिम) और मलेशिया (दक्षिण-पश्चिम) के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएँ:

- फिलीपींस का सबसे ऊँचा बिंदु माउंट अपो है, जो मिनडानाओ द्वीप पर स्थित है।
- फिलीपींस की प्रमुख नदियों में कागायन, मिनडानाओ, अगुसान, पामपांगा, अग्नो, पासिग, बिकोल, चिको, पुलांगी और मरिकिना नदियाँ शामिल हैं।
- फिलीपींस में एक उष्णकटिबंधीय समुद्री जलवायु है।
- फिलीपींस खनिज संसाधनों में समृद्ध है, जिसमें सोना, तांबा, निकल, क्रोमाइट और कोयला शामिल हैं।

POINTS TO PONDER

- प्रसिद्ध गायक मुकेश की 100वीं जयंती पर उन्हें सम्मानित करने के लिए स्मारक डाक टिकट का अनावरण किसने किया? – **गजेंद्र सिंह शेखावत (संघीय संस्कृति मंत्री)**
- भारत वैश्विक दुग्ध उत्पादन में कितने प्रतिशत का योगदान करता है, जिससे यह दूध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है? – **25%**
- जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश में कश्मीर मैराथन के उद्घाटन संस्करण के लोगो, वेबसाइट और टीज़र का अनावरण किसने किया? – **मनोज सिन्हा (उपराज्यपाल)**
- यूके स्थित हेनले पासपोर्ट इंडेक्स द्वारा नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, भारत का पासपोर्ट अब वैश्विक स्तर पर किस स्थान पर है? – **82वां**
- केंद्रीय बजट 2024-25 में, वित्त मंत्री ने सभी वर्गों के निवेशकों के लिए किस कर को समाप्त करने का प्रस्ताव दिया? – **एंजल टैक्स**

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com